भारत सरकार

कोयला मंत्रालय

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या : 344*

जिसका उत्तर 17 जुलाई, 2019 को दिया जाना है

विद्युत संयंत्रों को कोयले की आपूर्ति

***344**. डॉ॰ सुजय विखे पाटीलः
श्री उन्मेश भैय्यासाहेब पाटिलः

क्या **कोयला मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने एनर्जी एक्सचेंजों में विद्युत कीमतों में बढ़ोतरी के उपरान्त विद्युत संयंत्रों को कोयले की आपूर्ति में सुधार करने हेतु गंभीर उपाय किये हो;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने कोयले की ढुलाई के लिये समर्पित रेल परिवहन का उपयोग करने का निर्णय किया है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

संसदीय कार्य, कोयला एवं खान मंत्री

(श्री प्रल्हाद जोशी)

(क) से (घ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

'विद्युत संयंत्रो को कोयले की आपूर्ति' के संबंध में डॉ. सुजय विखे पाटील और श्री उन्मेश भैय्यासाहेब पाटिल द्वारा दिनांक 17.7.2019 को पूछे जाने वाले लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या 344 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण:

(क) और (ख): विद्युत गृहों को कोयले के प्रेषण में वृद्धि करने और उस पर निगरानी रखने हेतु सरकार द्वारा अनेक महत्वपूर्ण उपाय किए गए हैं। कुछ उपाय निम्नानुसार हैं:

i. कोयला क्षेत्रों के निकट स्थित विद्युत संयंत्रों को सड़क के जरिए कोयले की ढुलाई करने की सलाह दी गई है।
ii. विद्युत संयंत्रों को रेलवे की गुड्स शेड्स साइडिंग्स का उपयोग करके सड़क और रेल के जरिए कोयले की ढुलाई करने की सलाह दी गई है।
iii. संबंधित विद्युत संयंत्रों तक कोयले की ढुलाई के लिए परिवहन के कैप्टिव माध्यमों जैसे एमजीआर, बेल्ट्स, रोप्स का इष्टतम उपयोग।
iv. विद्युत संयंत्रों को रेल माध्यम से कोयले की आपूर्ति करने को प्राथमिकता दी जाती है।
v. विद्युत क्षेत्र को कोयले की आपूर्तियों की एक अंतर-मंत्रालयी उप-समूह द्वारा निरंतर मॉनिटरिंग की जाती है जिसमें विद्युत मंत्रालय, कोयला मंत्रालय, रेल मंत्रालय और नौ-वहन मंत्रालय, केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए), कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) आदि के प्रतिनिधि शामिल हैं। विद्युत संयंत्रों के लिए कोयला भंडार की नाजुक स्थिति सहित विद्युत क्षेत्र से संबंधित किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने हेतु विभिन्न् प्रचालनात्मक निर्णय लेने के लिए यह उप-समूह आवधिक रुप से तथा कभी-कभी सप्ताह में दो बैठकें आयोजित करता रहा है।
vi. एक समिति, जिसमें सचिव (कोयला), सचिव (विद्युत) और सदस्य (ट्रैफिक), रेलवे बोर्ड शामिल हैं, कोयले की ढुलाई और आपूर्ति की नियमित आधार पर समीक्षा करती है।

ताप विद्युत संयंत्रों के पास कोयले का भंडार 31.10.2018 के 10.09 मि.ट. से बढ़कर 31.03.2019 को 30.95 मि.ट. हो गया। उपर्युक्त उपायों तथा टीपीपी को कोयले की बढ़ी हुई आपूर्ति के कारण स्पॉट एक्सचेंज में विद्युत के औसत मूल्य में यथेष्ट कमी हुई है।

(ग) और (घ): भारतीय रेल द्वारा कोयले की ढुलाई विशेषकर विद्युत संयंत्रों के लिए कोयले की ढुलाई को सर्वाधिक प्राथमिकता दी जाती है। वर्ष 2018-19 में भारतीय रेल द्वारा सभी वस्तुओं का कुल लदान 1223.29 मि.ट. था जिसमें से कोयले का लदान 605.82 मि.ट. था जो लगभग 50% है।

***